Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

BMU IN NEWS

BABA MASTNATH UNIVERSITY

20 September, 2022
Tuesday
Page No.1

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

सफलता के लिए खिलाड़ी की तरह खेलना होगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा टिप्स फॉर वर्चुअल इन-पर्सन इंटरव्यू एंड हाउ टू क्रिएट गूगल फॉर्म विषय पर आईटीएम बिजनेस स्कूल, नवी मुंबई तथा आईक्यूएससी सैल, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के सहयोग से सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता आलोक कुमार ने कहा कि हम अपने जीवन में या तो खिलाड़ी की भूमिका निभाते हैं या एक आम दर्शक की। अगर हमें जीवन में सफलता हासिल करनी है तो एक खिलाड़ी की तरह खेलना होगा। खेल में कभी जीत और कभी हार दोनों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोग अच्छा खेलने पर तालियां बजाएंगे और हारने पर आलोचना भी करेंगे। लोगों की आलोचनाओं को भुलाकर ही खेलना होगा क्योंकि लोगों की बातों में आकर हमें लक्ष्य से नहीं भटकना है। उन्होंने ये भी बताया कि साक्षात्कार के दौरान हमारी बॉडी लैंग्वेज कैसी होनी चाहिए तथा प्रश्नों के उत्तर देते हुए कॉन्फडेंस में रहना चाहिए।

समय प्रतिस्पर्धा का

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रति कुलाधिपति डॉ. अंजना राव ने कहा कि आज का समय प्रतिस्पर्धा का है। इसलिए हमें किसी भी संस्था में इंटरव्यू के लिए जाने से पहले अपने ड्रेसिंग सेंस का विशेष ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इंप्रेशन होता है। उन्होंने ये भी बताया कि सही कैरियर परामर्श और साक्षात्कार कौशल विद्यार्थियों के जीवन को बदल सकता है। कुलपति प्रो. राजवीर सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि इंटरव्यू देते समय हमें कॉन्फिडेंट और एनर्जेटिक रहना चाहिए।

दैनिक भास्कर

आलोचना सफलता के मार्ग में बाधक नहीं: आलोक कुमार

गूगल फॉर्म विषय पर हुआ एक दिवसीय सेमिनार

भास्कर न्यूज़ | रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से \'टिप्स फॉर वर्चुअल इन पर्सनल इंटरव्यू एंड हाऊ टू क्रिएट गूगल फॉर्म' विषय पर आईटीएम बिजनेस स्कूल नवी मुंबई तथा आईक्यूएससी सेल, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के सहयोग से सोमवार को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता आलोक कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि हम अपने जीवन में या तो खिलाड़ी की भूमिका निभाते हैं या एक दर्शक की। अगर हमें जीवन में सफलता हासिल करनी है तो एक खिलाड़ी की तरह खेलना होगा। खेल में कभी जीत और कभी हार दोनों का सामना करना पड़ेगा। लोग अच्छा खेलने पर तालियां बजाएंगे और हारने पर आलोचना भी करेंगे। हमें लोगों की आलोचनाओं को भुलाकर ही खेलना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि साक्षात्कार के दौरान हमारी बॉडी लैंग्वेज कैसी होनी चाहिए। प्रश्नों के उत्तर देते हुए कॉन्फिडेंस में रहना आवश्यक है। उन्होंने गूगल फॉर्म कैसे क्रिएट करते हैं के विषय में प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी।

बीएमयू की प्रति कुलाधिपति डॉ.अंजना राव ने कहा कि आज का समय प्रतिस्पर्धा का है। इसलिए हमें किसी भी संस्था में इंटरव्यू के लिए जाने से पहले अपने ड्रेसिंग सेंस का विशेष ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि \'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इंप्रेशन' होत है।

अमर उजाला

'आलोचना सफलता के मार्ग में बाधक नहीं'

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से सेमिनार आयोजित

माई सिटी रिपोर्टर

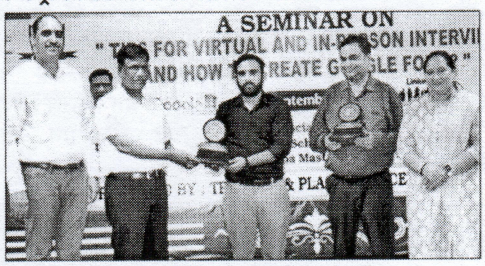

आलोक कुमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते आयोजक। विज्ञप्ति

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से 'टिप्स फॉर वर्चुअल इन-पर्सन इंटरव्यू एंड हाउ टू क्रिएट गूगल फॉर्म' विषय पर आईटीएम बिजनेस स्कूल नवी मुंबई व आईक्यूएससी सेल बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के सहयोग से सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आलोक कुमार ने विद्यार्थियों से कहा कि हम जीवन में या तो खिलाड़ी की भूमिका निभाते हैं या आम दर्शक की। अगर हमें जीवन में सफलता हासिल करनी है तो एक खिलाड़ी की तरह खेलना होगा। खेल में कभी जीत और कभी हार दोनों का सामना करना पड़ेगा। लोग अच्छा खेलने पर तालियां बजाएंगे और हारने पर आलोचना करेंगे। हमें लोगों की आलोचनाओं को भुलाकर ही खेलना होगा। क्योंकि लोगों की बातों में आकर हमें लक्ष्य से नहीं भटकना है। साक्षात्कार के दौरान हमारी बॉडी लैंग्वेज अहम है। प्रश्नों के उत्तर देते हुए आत्मविश्वास होना चाहिए। साथ ही गूगल फॉर्म क्रिएट करने की प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रति कुलाधिपति डॉ. अंजना राव ने कहा कि यह समय प्रतिस्पर्धा का है। इसलिए हमें किसी भी संस्था में इंटरव्यू के लिए जाने से पहले अपने ड्रेसिंग सेंस का विशेष ध्यान रखना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजवीर सिंह ने इंटरव्यू के समय आत्मविश्वास व ऊर्जावान बने रहने की सलाह दी। मंच संचालन डॉ. पल्लवी भारद्वाज ने किया। इस मौके पर डॉ. रवि राणा, डॉ. मनोज वर्मा, डॉ. ललित कुमार, डॉ. देवेंद्र वशिष्ट, डॉ. सुभाष चंद्र गुप्ता, डॉ. प्रवीण भट्ट, डॉ. विकास भारद्वाज, डॉ. जसप्रीत दहिया, डॉ. अरूप गिरी, रेनू मलिक समेत सभी विभागों के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

रोहतक केसरी

आलोचना सफलता के मार्ग में बाधक नहीं : आलोक कुमार

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आलोक कुमार को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए।

रोहतक, 19 सितम्बर (दीपक) : बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से टिप्स फॉर वर्चुअल इन पर्सन इंटरव्यू एंड हाऊ टू क्रिएट गूगल फॉर्म विषय पर आई.टी.एम. बिजनैस स्कूल नवी मुंबई तथा आई. क्यू .एस .सी. सैल बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के सहयोग से एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन सोमवार को किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आलोक कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि हम अपने जीवन में या तो खिलाड़ी की भूमिका निभाते हैं या एक आम दर्शक की।

उन्होंने कहा कि अगर हमें जीवन में सफलता हासिल करनी है तो एक खिलाड़ी की तरह खेलना होगा। खेल में कभी जीत और कभी हार दोनों का सामना करना पड़ेगा। लोग अच्छा खेलने पर तालियां बजाएंगे और हारने पर आलोचना भी करेंगे।

हमें लोगों की आलोचनाओं को भुलाकर ही खेलना होगा, क्योंकि लोगों की बातों में आकर हमें लक्ष्य से नहीं भटकना है। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रति कुलाधिपति डा. अंजना राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का समय प्रतिस्पर्धा का है, इसलिए हमें किसी भी संस्था में इंटरव्यू के लिए जाने से पहले अपने ड्रैसिंग सैंस का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि फर्स्ट इम्प्रैशन इज दि लास्ट इंप्रैशन होता है।

इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजवीर सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि इंटरव्यू देते समय हमें कांफिडैंट और एनर्जैटिक रहना चाहिए तथा इंटरव्यू में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही व कम शब्दों में देने चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट के चेयरमैन प्रो. मनोज आंतिल ने विद्यार्थियों को निरंतर प्रयास करने की सलाह दी और बताया कि किसी कार्य को लगन से करना ही सफलता का मूल मंत्र है।

इस मौके पर डा. रवि राणा, डा. मनोज वर्मा, डा. ललित कुमार, डा. देवेंद्र वशिष्ट, डा. सुभाष चंद्र गुप्ता, डा. प्रवीण भट्ट, डा. विकास भारद्वाज, डा. जसप्रीत दहिया, डा. अरूप गिरी, रेनू मलिक सहित सभी विभागों के प्राध्यापक उपस्थित रहे।